grey matter pr

PRESS CLIP

Publication:- Bartaman
Date: - 21st July, 2018
Page No:- 07

The Bengal; Chamber holds Infrastructure Summit on 19th July @ Lalit Great Eastern

পরিকাঠামো উন্নয়নে রাজ্যগুলির সমন্বয় জরুরি : সুনীল মিত্র

নিজস্ব প্রতিনিধি, কলকাতা: দেশজুড়ে পরিকাঠামো উন্নয়নে বিশেষ জোর দিচ্ছে কেন্দ্রীয় সরকার। কিন্তু রাজ্যগুলি যতক্ষণ না পর্যন্ত তাতে কাঁধে কাঁধ মিলিয়ে শামিল হচ্ছে, ততক্ষণ পরিকাঠামোর সার্বিক উন্নতি সম্ভব নয়। বৃহস্পতিবার দি বেঙ্গল চেম্বার আয়োজিত এক অনুষ্ঠানে এই মন্তব্য করলেন প্রাক্তন কেন্দ্রীয় রাজস্ব সচিব সুনীল মিত্র। বেঙ্গল চেম্বার অব কমার্স অ্যান্ড ইন্ডাস্ট্রির ইকনমিক অ্যাফেয়ার্স কমিটির চেয়ারম্যান হিসেবে সুনীলবাবু বলেন, যে কোনও উন্নয়নে যুক্তরাষ্ট্রীয় কাঠামোয় সব রাজ্যের সমন্বয় জরুরি। পরিকাঠামোর ক্ষেত্রেও তার ব্যতিক্রম নেই। পরিকাঠামো উন্নয়নে রাজ্যগুলি থেকে সঠিক তথ্য নিয়ে দীর্ঘমেয়াদি প্রকল্পে টাকার সংস্থান করতে হবে কেন্দ্রকে। ওই অনুষ্ঠানে ইন্ডিয়া পাওয়ার কর্পোরেশন লিমিটেডের এমডি রাঘবরাজ কানোরিয়া বলেন, পরিকাঠামোর ক্ষেত্রে যতক্ষণ না বেসরকারি সংস্থা বিনিয়োগ করবে বড় অঙ্কে, ততক্ষণ দেশের সার্বিক লক্ষ্যপূরণ সম্ভব নয়।

grey matter pr

PRESS CLIP

Publication:- Sanmarg
Date: - 21st July, 2018
Page No:- 13

The Bengal; Chamber holds Infrastructure Summit on 19th July @ Lalit Great Eastern

सौर ऊर्जा संयंत्र में जमीन की वजह से कमी

बंगाल चैंबर की इंफ्रास्ट्रक्चर मीट

सन्मार्ग संवाददाता, कोलकाता: बंगाल में सौर ऊर्जा संयंत्र में जमीन की वजह से कमी है। यहां कृषि की जमीन ज्यादा है जिस वजह से जमीन की कमी है। देश में यह कमी पूर्वी क्षेत्र में ज्यादा देखने को मिलती है। ये बातें इंटरनेशनल सोलर इनोवेशन काउंसिल के चेयरमैन एसपी गोन चौधरी ने बंगाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित इंफ्रास्ट्रक्चर समिट में कहीं।उन्होंने कहा कि पूर्व में सबसे बड़ी दिक्कत धूप का कम होना और बारिश है। उन्होंने कहा कि देश में वर्ष 2010 से सौर ऊर्जा का प्रति घंटे का मूल्य 17 रुपये प्रति किलो वाट था जो 2.40 रुपये हो गया। चौधरी ने भविष्य के लक्ष्य को बताते हुए कहा कि 20 हजार मेगावाट सौर ऊर्जा को 1 लाख मेगावट करना है।

पावर कार्पोरेशन लिमिटेड के एमडी राघव राज कनौरिया ने कहा कि भारत तेजी से विकास कर रहा है, यही गति जारी रहे, इसके लिए बुनियादी ढांचे को दोगुना रफ्तार से विकसित करना होगा। बीसीसी के अध्यक्ष सुनील मित्रा ने कहा कि भारत सरकार बुनियादी ढांचे क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। हमें सभी राज्यों सहित सही डेटा को शामिल करने वाले वर्षों में उच्च सकल पूंजी निर्माण सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। **आईआईएफसीएल के महाप्रबंधक राकेश कुमार** ने कहा कि अगले 5 वर्षों में इन्फ्रा परियोजनाओं में 10 लाख करोड़ रुपये का कुल निवेश होने वाला है। इन्फ्रा सेक्टर में निवेश किए गए प्रत्येक रुपये में सकल घरेलू उत्पाद में 20 पैसे की वृद्धि हुई है।

grey matter pr
106 d, block-f
new alipore
kolkata 700 053
i n d i a
W +91 33 2445 2766
info@greymatterpr.com
www.greymatterpr.com